CHAPTER - 07	व्यावसायिक वित्त के स्रोत Sources of Business Finance

स्मरणीय तथ्य :

व्यापारिक वित्त का अर्थ और महत्व

व्यापारिक वित्त से व्यापार को आरंभ करने और इसके कार्यों को चलाने के लिए आवश्यक धन की बात की जाती है। कोई भी व्यवसाय विभिन्न कार्यों को करने के लिए पर्याप्त धन के बिना नहीं चल सकता। ये धन स्थिर सम्पत्ति (जैसे इमारतें और मशीनरी), दैनिक परिचालन (जैसे वेतन और खर्चे के बिल चुकाना), और व्यापार को विस्तारित करने के लिए आवश्यक होते हैं।

व्यापार के लिए धन के स्रोत

व्यवसाय को पैसे प्राप्त करने के लिए विभिन्न तरीके होते हैं, और हम उन्हें तीन प्रमुख तरीकों में विभाजित कर सकते हैं:

1. समय अवधि- पैसे का उपयोग हम कब तक कर सकते हैं यह वित्त की अवधि पर निर्भर करता है। हमारे पास दीर्घकालिक स्रोत (5 साल से अधिक), मध्यकालिक स्रोत (1 से 5 साल के बीच), और लघुकालिक स्रोत (1 साल से कम) हैं।

2. स्वामित्व- आप अपने पैसे उपयोग कर सकते हैं (यह मालिक के पैसे होते हैं) या दूसरों से पैसे उधार ले सकते हैं (जैसे एक बैंक से ऋण लेना)।

3. उत्पन्न स्रोत- पैसे या तो व्यवसाय के अंदर से आ सकते हैं (जैसे कि व्यवसाय के मुनाफे का उपयोग करना) या बाहर से आ सकते हैं (जैसे किसी बैंक से ऋण लेना)।

व्यापारिक वित्त के स्रोत -

यहां कुछ स्थान हैं जहां व्यापार कंपनियाँ वो पैसा प्राप्त कर सकती हैं जो उन्हें चाहिए:

1. बचाए गए लाभ- यह वो पैसा है जिसे कंपनी कमाती है लेकिन उसे शेयरधारकों को वित्तीय लाभ के रूप में नहीं देती है। यह आमतौर पर व्यापार को बढ़ाने के लिए प्रयुक्त होता है।

2. व्यापारिक क्रेडिट- जब एक व्यापार दूसरे व्यापार को माल खरीदने के लिए उधार देता है (बिना तुरंत भुगतान किए), तो इसे व्यापारिक क्रेडिट कहा जाता है। यह व्यापार को सामग्री प्राप्त करने के लिए एक सामान्य तरीका है।

3. फैक्टरिंग- यह एक वित्तीय कंपनी होती है जो व्यापार को क्रेडिट नियंत्रण और ग्राहकों से ऋण वसूलने में मदद करती है। यह व्यापार को बुरे कर्ज से बचाने में मदद करता है।

4. लीज़ वित्त- इसमें कोई व्यक्ति या कंपनी अपनी सम्पत्ति (बम्बर या सम्पत्ति) को किसी और पक्ष (लीजी) को निर्धारित समय के लिए उपयोग करने का अधिकार देती है। व्यापार उन सम्पत्तियों का नियमित किराया देता है।

5. जनता से जमा- कंपनियाँ जनता से पूँजी जमा करने के लिए पूछ सकती हैं। इसका उपयोग व्यापार की लघु और दीर्घकालिक वित्तीय आवश्यकताओं के लिए किया जा सकता है।

6. कमर्शियल पेपर (सीपी)- कंपनियाँ असुरक्षित प्राधिकृत नोट्स जारी कर सकती हैं (जैसे कि आयूओयूस/आयओयू या IOUS/IOU) करके अधिक समय तक धन जुटाने के लिए। इसका प्रबंधन बैंक की देखरेख में आता है।

7. शेयर (इक्विटी और प्रिफरेंस)- व्यापारिक कंपनियाँ पैसा जुटाने के लिए शेयर बेच सकती हैं। इक्विटी शेयरधारकों को स्वामित्व और वोटिंग अधिकार देते हैं। प्रिफरेंस शेयरधारकों को नियमित आय एक सीमा तक प्राप्त होती है लेकिन वोटिंग अधिकार नहीं होता।

8. डिबेंचर- ये कंपनियों के द्वारा लोगों से लिए जाने वाले ऋणों के तरह होते हैं। डिबेंचर होल्डर्स क्रेडिटर होते हैं जो नियमित ब्याज प्राप्त करते हैं।

9. कमर्शियल बैंक- बैंक व्यापारों को छोटे और मध्यमकालिक आवश्यकताओं के लिए पैसा देते हैं। व्यापार इन ऋणों को आंशिक या एक समय में चुकता करते हैं।

10. वित्तीय संस्थान- सरकार ने प्रौद्योगिकीकरण और आधुनिकीकरण के लिए व्यापार कंपनियों को वित्त प्रदान करने के लिए देश भर में कई वित्तीय संस्थान स्थापित किए हैं। इन्हें विकास बैंक भी कहा जाता है। परियोजनाओं के लिए जब बड़ी रकम की आवश्यकता होती है, तब इस स्रोत का उपयोग किया जाता है।

सरल शब्दो में, व्यापारिक वित्त एक व्यवसाय के लिए वो पैसा है जिसकी आवश्यकता होती है कि वह अपने कार्यों को आरंभ करें और चलाएं। इसके लिए कंपनी के कमाई, उधार, या दूसरों से क्रेडिट प्राप्त करने जैसे विभिन्न स्रोत हो सकते हैं। व्यवसाय को इन धनों की आवश्यकता होती है, छोटे समय की आवश्यकताओं (जैसे दैनिक व्यय) और दीर्घकालिक आवश्यकताओं (जैसे सम्पत्ति और उपकरण खरीदना) के लिए।

Things to remember

-Meaning and Significance of Business Finance-

Business finance refers to the money required by a business to start and operate its activities. No business can run without having enough funds to do various tasks. These funds are needed for buying fixed assets (like buildings and machinery), for daily operations (like paying salaries and bills), and for expanding the business.

-Sources of Funds for Business-

There are different ways a business can get

money, and we can sort them in three main ways:

1. Time Period- Depending on how long the business need the money for, we have long-term sources (more than 5 years), medium-term sources (between 1 to 5 years), and short-term sources (less than 1 year).

2. Ownership- Business can use the funds (that's owner's money) or borrow money from others (like taking a loan from a bank).

3. Source of Generation- Funds can either come from inside the business (like using the profits the business makes) or from outside (like borrowing from a bank).

Sources of Business Finance-

Here are some places where businesses can get the money they need:

1. Retained Earnings- This is the money that the company earns but doesn't give out as dividends to shareholders. It's often used to make the business grow.

2. Trade Credit- When one business lets another business buy things on credit (without paying right away), it's called trade credit. It's a common way for businesses to get supplies.

3. Factoring- This is when a financial company helps a business with credit control and collecting debts from customers. It helps protect the business from bad debts.

4. Lease Financing- This is like renting equipment or assets from someone else for a specific time. The business pays regular rent for using those assets.

5. Public Deposits- Companies can ask the public to deposit money with them. It can be used for both short-term and long-term financial needs.

6. Commercial Paper (CP)- Firms can issue unsecured promissory notes (like IOUs) for a short time to raise funds. It's regulated by the Reserve Bank of India.

7. Shares (Equity and Preference)- Businesses can sell shares to raise money. Equity shares give ownership and voting rights to shareholders. Preference shares give regular income usually but no voting rights.

8. Debentures- These are like loans that companies take from the public. Debenture holders are creditors who get regular interest payment at fixed rates.

9. Commercial Banks- Banks lend money to businesses for short and medium-term needs. Businesses repay these loans in installments or as a lump sum.

10. Financial Institutions- Government-established financial institutions provide funds for companies. They are called development banks and are used for big projects like expansion and modernization.

In simple terms, business finance is the money a business needs to start and run its operations. It can come from different sources, like the company's earnings, borrowing, or getting credit from others. Businesses need these funds for both short-term needs (like daily expenses) and long-term needs (like buying property and equipment).

बहुवैकल्पिक प्रश्न
(MULTIPLE CHOICE QUESTIONS)

1. व्यावसायिक वित्त व्यवसाय के आकार को निर्धारित करता है, यह कथन है,

(a) सत्य (b) असत्य
(c) अर्ध सत्य (d) कह नहीं सकते

The statement "Business finance determines the size of a business" is:

(a) True (b) False
(c) Partly true (d) Cannot say

2. व्यावसायिक वित्त की आवश्यकता क्यों पड़ती है ?

(a) व्यवसाय की स्थापना के लिए
(b) व्यवसाय के संचालन के लिए
(c) व्यवसाय के भावी विकास के लिए
(d) उपरोक्त सभी

Why is there a need for business finance?

(a) To establish a business
(b) To operate a business
(c) For the future growth of the business
(d) All of the above

3. व्यावसायिक वित्त की आवश्यकता क्यों पड़ती है ?

(a) लाभों में वृद्धि के लिए
(b) मंदी काल का सामना करने के लिए
(c) इनमें से कोई नहीं
(d) उपरोक्त a. और b. दोनों

Why is there a need for business finance?

(a) To increase profits
(b) To cope with economic recession
(c) None of these
(d) Both a. & b.

4. **व्यावसायिक वित्त का संबंध ऐसी गतिविधियों से है जो प्रयुक्त कोषों के नियोजन एकत्रीकरण नियंत्रण एवं प्रशासन से जुड़ी हुई हो ? यह कथन किनका है?**
(a) गुटमैन और दुग्गल (b) हसबैंड एंड डोकरे
(c) व्हीलर (d) इनमें से कोई नहीं

"The relationship of corporate finance is associated with activities related to the allocation, control, and administration of applied funds." whose said this
(a) Gutman and Duggal
(b) Husband and Dockeray
(c) Wheeler
(d) None of above

5. **निम्न में कौन दीर्घकालीन वित्त के स्रोत का प्रकार है ?**
(a) समता अंश (b) पूर्वाधिकार अंश
(c) ऋण पत्र (d) उपरोक्त सभी

Which of the following is a long-term financial instrument?
(a) Equity Shares
(b) Preference Shares
(c) Debentures
(d) All of the above

6. **वित्त का दीर्घकालीन स्रोत है ?**
(a) संचित लाभ
(b) विशिष्ट वित्तीय संस्थानों से दीर्घकालीन ऋण
(c) इनमें से कोई नहीं
(d) उपरोक्त सभी

source of long-term finance?
(a) Accumulated profits
(b) Long-term loans from specialised financial institutions
(c) None of the above
(d) All of the above

7. **मध्य कालीन अवधि (medium term) वित्त के स्रोत इनमें से कौन है**
(a) शोध्य पूर्वाधिकार अंश
(b) व्यापारिक बैंकों से ऋण
(c) सार्वजनिक निक्षेप
(d) उपरोक्त सभी

Which of the following are sources of medium term finance?
(a) Redeemeable preference share
(b) Loans from commercial banks
(c) Public deposits
(d) All of the above

8. **अल्पकालिक वित्त के स्रोत निम्न में कौन हैं ?**
(a) बैंक अधिवर्ष
(b) नगद साख
(c) प्राप्य बिलों को भूनाना
(d) उपरोक्त सभी

Which of the following are short-term sources of finance?
(a) Bank overdraft
(b) Cash credit
(c) Discounting of receivables
(d) All of the above

9. **अल्पकालीन वित्त के स्रोत निम्न में कौन हैं**
(a) हुंडिया (b) व्यापारिक उधार
(c) ग्राहक अग्रिम (d) उपरोक्त सभी

Which of the following are short-term sources of finance?
(a) hundi
(b) Trade credit
(c) Customer advances
(d) All of the above

10. **वित्त के किस स्रोत को मालिक का माना जाता है ?**
(a) समता अंश
(b) संचित लाभ
(c) इनमें से कोई नहीं
(d) उपरोक्त a. और b. दोनों

Which source of finance is considered as the owner's equity?
(a) Equity share (b) Retained earnings
(c) None of the above (d) Both a. and b.

11. **अल्पकालीन वित्त के स्रोतों का उपयोग सामान्यतया किया जाता है- वेतन, विज्ञापन, चल सम्पत्ति के क्रय, उत्पादन व्यय, विक्रय व्यय, अन्य सामान्य खर्च इत्यादि में । यह कथन है**
(a) सत्य (b) असत्य
(c) अर्ध सत्य (d) इनमें से कोई नहीं

The use of short-term funds is generally for expenses such as salaries, advertising, purchase of current assets, production costs, selling expenses, and other general expenditures, this statement is:
(a) True (b) False
(c) Partially true (d) None of the above

12. **निम्न में कौन पूर्वाधिकार अंश के प्रकार हैं ?**
(a) संचयी एवं और असंचयी
(b) शोध्य एवं अशोध्य
(c) परिवर्तनीय
(d) उपरोक्त सभी

Which of the following are types of preferential shares ?

(a) cumulative and non-cumulative
(b) redeemeable and non-redeemable
(c) Convertible
(d) All of the above

13. **उस पूर्वाधिकार अंश का नाम बताएं जिसमें पूर्वाधिकार अंश पर एक निश्चित दर से लाभांश दे दिए जाने के बाद तथा साधारण अंश पर लाभांश दिए जाने के बाद यदि अधिक लाभ बचे तो पूर्वाधिकार अंश को भी अतिरिक्त लाभांश प्राप्त होता है-**

(a) भागयुक्त पूर्वाधिकार अंश
(b) अभागयुक्त पूर्वाधिकार अंश
(c) उपरोक्त सभी
(d) इनमें से कोई नहीं

What is the name of the preferential share in which, after giving a certain rate of return on the preferential share and also after a return on the equity shares, if there is additional profit left, the preference shareholders also gets additional profit?

(a) Participating preference share
(b) Non Participating preference share
(c) All of the above
(d) None of the above

14. **एक निश्चित अवधि के पश्चात इनका साधारण अंश में बदलने की स्वेच्छा दी जाती हैं , यह किन के लिए उपयुक्त है ?**

(a) परिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश
(b) परिवर्तनीय ऋण पत्र
(c) उपरोक्त दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं

After a certain period, they are given the option to convert into common equity shares. Who is this suitable for?

(a) Convertible preferred stock
(b) Convertible debentures
(c) Both of the above
(d) None of the above

15. **इनमें से किस में क्रय करने से ज्यादा जोखिम रहती है**

(a) समता अंश (b) पूर्वाधिकार अंश
(c) ऋण पत्र (d) उपरोक्त सभी

Which of the following carries the highest risk after purchase?

(a) Equity Share
(b) Preferential Share
(c) Debenture
(d) All of the above

16. **लाभ का हिस्सा दिए जाने में निम्न में किसको सबसे पहली प्राथमिकता दी जाती है -**

(a) पूर्वाधिकार अंश (b) समता अंश
(c) उपरोक्त दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

What is given top priority among following in giving the profit -

(a) Preference Share (b) Equity Share
(c) Both of the above (d) None of these

17. **निम्न में से किसको अन्यो पर पूंजी वापसी की प्राथमिकता दी जाती है ?**

(a) समता अंश (b) पूर्वाधिकार अंश
(c) ऋण पत्र (d) उपरोक्त सभी

Who is given priority for capital return among the following?

(a) Equity Share (b) Preference Share
(c) Debenture (d) All of the above

18. **किसके निर्गमन के बिना कंपनी की स्थापना नहीं हो सकती ?**

(a) समता अंश (b) पूर्वाधिकार अंश
(c) ऋण पत्र (d) उपरोक्त सभी

Without isduance of which of the following type of capital a company cannot be established?

(a) Equity Share (b) Preference Share
(c) Debenture (d) All of the above

19. **निम्न में से किन्हे मत देने का अधिकार होता है ?**

(a) समता अंश (b) पूर्वाधिकार अंश
(c) ऋण पत्र (d) उपरोक्त सभी

Who has the right to vote among the following?

(a) Equity Share (b) Preference Share
(c) Debenture (d) All of the above

20. **निम्न में से वित्त के किस स्रोत पर सामान्यतया आय अनिवार्य रूप से मिलता है ?**

(a) समता अंश (b) पूर्वाधिकार अंश
(c) ऋण पत्र (d) उपरोक्त सभी

Among the following, from which source of finance does income usually come compulsorily?

(a) Equity Share (b) Preference Share
(c) Debentures (d) All of the above

21. **वित्त के किस स्रोत में लाभांश सामान्यतया संचयी प्रवृत्ति की होती है ?**

(a) समता अंश (b) पूर्वाधिकार अंश
(c) इनमें से कोई नहीं (d) उपरोक्त सभी

In which source of finance dividend usually is cumulative in nature ?

(a) Equity Share (b) Preference Share
(c) None of the above (d) All of the above

22. **स्रोत के दृष्टिकोण से निम्न में कौन वित्त का आंतरिक स्रोत है ?**

(a) परिवर्तनीय ऋण पत्र (b) संचित लाभ
(c) ऋण पत्र (d) उपरोक्त सभी

From a source perspective, which of the following is an internal source of finance?

(a) Convertible Debenture
(b) Retained Earnings
(c) Debentures
(d) All of the above

23. **किस पूंजी के निर्गमन से वर्तमान में जो मालिक हैं उनका नियंत्रण डाइल्यूट (कमजोर) हो सकता है ?**

(a) समता अंश (b) पूर्वाधिकार अंश
(c) ऋण पत्र (d) उपरोक्त सभी

After new issuance, Which source of finance can dilute the control of existing owners?

(a) Equity Share (b) Preference Share
(c) Debentures (d) All of the above

24. **किस पूंजी के निर्गमन से वर्तमान में जो मालिक हैं उनका नियंत्रण डाइल्यूट (कमजोर) बिल्कुल नहीं होता है ?**

(a) समता अंश
(b) परिवर्तनीय पूर्वाधिकार अंश
(c) परिवर्तनीय ऋण पत्र
(d) ऋण पत्र

After new issuance, Which source of finance can not dilute the control of existing owners?

(a) Equity Share
(b) Convertible Preference Share
(c) Convertible Debentures
(d) Debenture

25. **भारतीय औद्योगिक वित्त निगम, भारतीय औद्योगिक सह एवं वियोग निगम, भारतीय औद्योगिक विकास बैंक- यह सभी संस्थाएं औद्योगिक ऋण प्रदान करती है यह कथन है ?**

(a) सत्य (b) असत्य
(c) अर्ध सत्य (d) कह नहीं सकते

Industrial Finance Corporation of India, Industrial Credit and Investment Corporation of India, Industrial Development Bank of India - all these institutions provide industrial loans. The statement is:

(a) True (b) False
(c) Partly true (d) Cannot say

26. **राज्य वित्त निगम, राज्य औद्योगिक विकास निगम, भारतीय औद्योगिक निवेश बैंक लिमिटेड - यह सभी संस्थाएं औद्योगिक ऋण प्रदान करती है यह कथन है ?**

(a) सत्य (b) असत्य
(c) अर्ध सत्य (d) कह नहीं सकते

"State Financial Corporation, State Industrial Development Corporation, and Industrial Investment Bank of India Limited - all provide industrial loans." the above statement is -

(a) True (b) False
(c) Partly true (d) Cannot say

27. **निम्न में कौन अतः कंपनी जमा का प्रकार?**

(a) तीन महीने वाली जमा
(b) 6 महीने वाली जमा
(c) मांग जमा
(d) उपरोक्त सभी

Which of the following deposits are type of Inter Company Deposits?

(a) Three-month deposit
(b) Six-month deposit
(c) Demand deposit
(d) All of the above

28. **सार्वभौमिक जमा प्राप्ति (GDR / जी डी आर) किस मुद्रा में निर्गमित की जाती है ?**

(a) अमेरिकन डॉलर (b) भारतीय रुपया
(c) जापानी येन (d) यूरोपीय यूनियनयूरो

Global Depository Receipts (GDRs) are issued in which currency?

(a) American Dollar (b) Indian Rupee
(c) Japanese Yen (d) European Union Euro

29. **सार्वभौम जमा प्राप्ति (GDR / जी डी आर) को किस स्कंध विपणी में सूचीबद्ध कराया जा सकता है?**

(a) अमेरिकान स्कंद विपणी
(b) यूरोपीय यूनियन स्कंध विपणी
(c) उपरोक्त दोनों
(d) इनमें से कोई नहीं

Global Depositary Receipts (GDRs) can be listed on which stock exchange?

(a) American Stock Exchange
(b) European Union Stock Exchange
(c) Both of the above
(d) None of the above

30. **सार्वभौम जमा प्राप्ति (GDR / जी डी आर) को अंश में परिवर्तित कराया जा सकता है यह कथन ?**

(a) सत्य (b) असत्य
(c) अर्ध सत्य (d) कह नहीं सकते

It is possible to convert Global Depository Receipts (GDR) into shares.

(a) True (b) False
(c) Partly true (d) Cannot say

31. भारतीय डिपॉजिटरी रसीद (IDR) को कहां की कंपनी निर्गमित कर सकती है

(a) भारतीय (b) विदेशी
(c) उपरोक्त दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

An Indian Depository Receipt (IDR) can be issued by:

(a) Indian companies
(b) Foreign companies
(c) Both of the above
(d) None of the above

32. 'शोधन' शब्द प्रयोग किया जाता है?

(a) ऋण पत्र के लिए
(b) समता अंश के लिए
(c) पूर्वाधिकार अंश के लिए
(d) (b) और (c) दोनों

What is the term 'Redemption' used for?

(a) Debentures (b) Equity shares
(c) Preference shares (d) Both (b) and (c)

33. प्रिफरेंस शेयर्स में शेयरधारको को कैसी जोखिम होती है?

(a) अधिकतम (b) न्यूनतम
(c) सामान्य (d) असामान्य

What risks are associated with preference shares?

(a) Maximum (b) Minimum
(c) Normal (d) Abnormal

34. कंपनी के अंशधारी कौन-कौन होते हैं?

(a) स्वामी (b) ऋणदाता
(c) देनदार (d) लेनदार

Shareholders of a Company are:

(a) Owners (b) Creditors
(c) Debtors (d) Creditors

35. ऋण-पत्रों पर ब्याज देना है–

(a) अनिवार्य (b) ऐच्छिक
(c) ये दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

Payment of interest on debentures is–

(a) Compulsory (b) Voluntary
(c) Both (d) None of the two

36. अंशों के निर्गमन पर प्राप्त वित्त किस प्रकार की होती है–

(a) अल्पकालीन (b) मध्यकालीन
(c) दीर्घकालीन (d) इनमें से कोई नहीं

Finance received on the issue of shares are of which type–

(a) Short term (b) Medium term
(c) Long term (d) None of the two

37. पूर्वाधिकार शेयरों पर डिविडेंड दर क्या होती है?

(a) अनिश्चित
(b) सरकार द्वारा नियंत्रित
(c) निश्चित
(d) इनमें से कोई नहीं

What is the rate of dividend on preference shares?

(a) Uncertain
(b) Controlled by the Government
(c) Certain
(d) None of these

38. वाणिज्यिक बैंकों द्वारा दिया जाने वाला ऋण होता है:

(a) मध्यकालीन (b) दीर्घकालीन
(c) अल्पकालीन (d) इनमें से कोई नहीं

The loan given by commercial banks is:

(a) Medium term (b) Long term
(c) Short term (d) None of these

39. शेयरों पर लाभांश देना है कि–

(a) अनिवार्य (b) ऐच्छिक
(c) दोनों (d) इन दोनों में से कोई नहीं

Payment of dividend on shares is–

(a) Compulsory (b) Voluntary
(c) Both (d) None of the two

40. वित्तीयकरण का अन्तर्राष्ट्रीय साधन है:

(a) ADR एवं GDR (b) FDI
(c) उपरोक्त सभी (d) इनमें से कोई नहीं

International sources of finance are:

(a) ADR and GDR (b) FDI
(c) All of the above (d) None of these

41. FDI क्या है:

(a) नि:शुल्क प्रत्यक्ष निवेश
(b) जन निक्षेप निवेश
(c) विदेशी प्रत्यक्ष निवेश
(d) इनमें से कोई नहीं

What is FDI :

(a) Free Direct Investment
(b) Forestry Deposit Investment
(c) Foreign Direct Investment
(d) None of these

42. ग्रामीण, पिछड़े और पहाड़ी क्षेत्रों में विशेष वित्तीय

सहायता कौन प्रदान करता है?
(a) क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक (b) साहूकार
(c) व्यापारिक बैंक (d) ये सभी

Who provides special financial assistance in rural, backward, and hilly areas?
(a) Regional Rural Banks
(b) Money Lenders
(c) Commercial Banks
(d) All of these

43. निवेशकर्ता के दृष्टिकोण से सामान्य अंशों में जोखिम होती है:
(a) अधिकतम (b) न्यूनतम
(c) सामान्य (d) असामान्य

The risk involved in equity shares from the point of an investor is:
(a) Maximum (b) Minimum
(c) Normal (d) Abnormal

44. लाभांश प्राप्त करने के अधिकारी, निम्नलिखित में से कौन होते हैं?
(a) समता अंशधारक (b) पूर्वाधिकार अंशधारक
(c) उपरोक्त दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

Who are entitled to receive dividends? Equality
(a) Equity shareholders
(b) Preference shareholders
(c) Both of the above
(d) None of the above

45. इनमें से किन में लाभांश का दर स्थाई होता है?
(a) समता अंश (b) पूर्वाधिकार अंश
(c) ऋण पत्र (d) उपरोक्त सभी

Among these, in which is the fear of depreciation permanent?
(a) Equity share (b) Preference share
(c) Debentures (d) All of the above

46. इनमें से कौन छोटी-छोटी इकाइयों में विभक्त होते हैं?
(a) समता अंश (b) बैंक ऋण
(c) उपरोक्त सभी (d) इनमें से कोई नहीं

Among these, which are divided into small units?
(a) Equity share (b) Bank loan
(c) All of the above (d) None of these

47. ऋण दाता कठिन शर्तें लागू एवं प्रभारित भी कर सकता है, यह कथन किसके लिए सत्य है?
(a) बैंक ऋण (b) ऋण पत्र
(c) उपरोक्त दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

The statement -Lender can impose strict terms and conditions is true for whom?
(a) Bank loan
(b) Debentures
(c) Both of the above
(d) None of the above

48. मत देने का अधिकार इनमें से किसे होता है?
(a) समता अंश (b) ऋण पत्र
(c) बैंक लोन (d) इनमें से कोई नहीं

Who has the right to vote against these?
(a) Equity share
(b) Debentures
(c) Bank loan
(d) None of the above

49. ब्याज की दर इनमें से किस ऋण में सबसे ज्यादा हो सकती है?
(a) दीर्घकालीन ऋण (b) अल्पकालीन ऋण
(c) उपरोक्त दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

Among these, in which type of loan can the interest rate be the highest?
(a) Long-term loan (b) Short-term loan
(c) Both of the above (d) None of the above

50. आईएफसीआई की स्थापना कब हुई थी?
(a) 1946 (b) 1947
(c) 1948 (d) 1949

When was the establishment of IFCI?
(a) 1946 (b) 1947
(c) 1948 (d) 1949

51. आईडीबीआई की स्थापना का उद्देश्य क्या था?
(a) वित्तीय संस्थान की गतिविधियों में समन्वय स्थापित करना
(b) सरकार को ऋण देना
(c) विदेशी ऋण देना
(d) इनमें से कोई नहीं

What was the objective of the establishment of IDBI?
(a) To coordinate activities of financial institutions
(b) To lend to the government
(c) To provide foreign loans
(d) None of the above

52. भारतीय जीवन बीमा निगम की स्थापना कब हुई थी?
(a) 1956 (b) 1957
(c) 1958 (d) 1949

When was the Life Insurance Corporation of India established?
(a) 1956 (b) 1957
(c) 1958 (d) 1949

53. राज्य वित्त निगम का क्या काम है?

(a) अपने-अपने राज्यों में अल्प एवं मध्य अवधि का ऋण देना
(b) विदेशी संस्थाओं को ऋण देना
(c) आरबीआई को ऋण देना
(d) इनमें से कोई नहीं

What is the role of a State Financial Corporation?

(a) Providing short and medium-term loans within their respective states
(b) Granting loans to foreign institutions
(c) Providing loans to RBI (Reserve Bank of India)
(d) None of the above

54. ADR के धारकों को सिधे मत देने का अधिकार होता है?

(a) हां
(b) नहीं
(c) परिस्थितियों पर निर्भर है
(d) कह नहीं सकते

Do ADR holders have the direct right to vote?

(a) Yes
(b) No
(c) Depends on circumstances
(d) Cannot say

55. ओवरड्राफ्ट की सुविधा जनता को किन के द्वारा दी जाती है?

(a) बैंकों के द्वारा (b) सरकार के द्वारा
(c) आम जनता के द्वारा (d) उपरोक्त सभी

Who provides the facility of overdraft to citizens ?

(a) By banks
(b) By the government
(c) By the general public
(d) All of the above

56. ह्रास कोष किस प्रकार का वित्तीय स्रोत है?

(a) आंतरिक (b) बाह्य
(c) सरकारी (d) इनमें से कोई नहीं

What type of financial source is the depreciation fund?

(a) Internal (b) External
(c) Government (d) None of the above

57. कैश क्रेडिट पर ब्याज किस राशि पर लिया जाता है?

(a) निकाली गई राशि (b) नियत राशि
(c) अनुमानित राशि (d) इनमें से कोई नहीं

At what amount is interest charged on cash credit?

(a) Withdrawn amount
(b) Fixed amount
(c) Estimated amount
(d) None of the above

बहुवैकल्पिक प्रश्नों का उत्तर (M C Q ANSWERS)

1	a	2	d	3	d	4	a	5	d	6	d
7	d	8	d	9	d	10	d	11	a	12	d
13	a	14	c	15	a	16	a	17	c	18	a
19	a	20	c	21	b	22	b	23	a	24	d
25	a	26	a	27	d	28	a	29	c	30	a
31	b	32	d	33	b	34	a	35	a	36	c
37	c	38	c	39	b	40	c	41	c	42	d
43	a	44	c	45	b	46	a	47	a	48	a
49	b	50	c	51	a	52	a	53	a	54	b
55	a	56	a	57	a						

अतिलघु उत्तरीय प्रश्न (Very Short Answer Questions)

1. व्यवसाय वित्त किसे कहते हैं?

उत्तर: व्यावसायिक वित्त का अर्थ-

व्यवसाय का संचालन करने के लिए धन की आवश्यकता होती है। वित्त को व्यवसाय का जीवन रक्त कहा जाता है। व्यवसाय के विभिन्न कार्यों को करने एवं उसके संचालन के लिए जिस धन की आवश्यकता होती है जिसे व्यावसायिक वित्त कहा जाता है।

What is business finance called?

Ans: The meaning of business finance -

To operate a business, capital is required. Finance is often referred to as the lifeblood of a business. The capital needed for various activities and operation of a business is called business finance.

2. व्यवसाय को कोषों की आवश्यकता क्यों होती है? समझाइये।

उत्तर: व्यवसाय को कोषों की आवश्यकता-

व्यवसाय को कोषों या वित्त की आवश्यकता व्यवसायी द्वारा व्यवसाय शुरू करने के निर्णय के समय से ही उत्पन्न हो जाती है। कुछ कोषों की आवश्यकता तो शुरुआत में ही हो जाती है जैसे संयन्त्र एवं मशीन, फर्नीचर एवं अन्य सम्पत्तियों की खरीद करनी होती है। इसे स्थायी पूँजी की आवश्यकता भी कहा जाता है। इसी प्रकार से कुछ कोष की आवश्यकता दिन-प्रतिदिन के कार्यों को पूरा करने के लिए होती है जैसे कच्चे माल की खरीद, कर्मचारियों को वेतन, मजदूरी, टैक्स एवं किराया

आदि देने के लिए। यह कार्यशील पूँजी की आवश्यकता कहलाती है। इसी प्रकार से जब व्यवसाय का विकास एवं विस्तार करना हो तो व्यावसायिक कोष की आवश्यकता होती है।

Why does a business need funds? Explain.

Ans: The need for funds in business -

The requirement for funds or finances in a business arises from the very decision to start a business. Some funds are required right from the beginning, such as purchasing machinery, equipment, furniture, and other assets. This is also referred to as the need for permanent capital. Similarly, some funds are needed on a day-to-day basis to fulfill routine activities, like buying raw materials, paying salaries and wages to employees, taxes, and rent, among others. This is known as the need for working capital. Furthermore, when a business aims for growth and expansion, it requires additional capitall.

3. दीर्घ अवधि के वित्त के स्रोतों को लिखे ?

उत्तर: दीर्घ अवधि के वित्त के स्रोत निम्न है

समता अंश

संचित आय

पुर्वाधिकार अंश

ऋण पत्र

वित्तीय संस्थानों से ऋण

बैंकों से ऋण, इत्यादि

Please write the sources of long-term finance.

Ans: The sources of long-term finance are as follows:

1. Equity Shares
2. Retained Earnings
3. Preference Shares
4. Debentures
5. Loans from Financial Institutions
6. Loans from Banks, etc.

4. अवधि के वित्त के स्रोतों को बताएं

उत्तर: अल्प अवधि के वित्त के स्रोत निम्न हैं -

व्यापारिक साख

बैंकों से अल्पकालीन ऋण

वाणिज्यिक पत्र

ग्राहकों से अग्रिम

हंडिया, इत्यादि

Sources of Short-Term Finance

Ans: Short-term finance sources are as follows:

1. Trade Credit
2. Short-term Loans from Banks
3. Commercial Papers
4. Advances from Customers
5. Promissory Notes, etc.

5. पूर्वाधिकार अंशधारकों को कौन-कौनसे पूर्वाधिकार प्राप्त हैं?

उत्तर: पूर्वाधिकार अंशधारकों को प्राप्त पूर्वाधिकार निम्न है-

- कम्पनी के शुद्ध लाभों में से समता अंशधारकों के लिए लाभांश घोषित करने से पहले स्थिर एवम पूर्व निश्चित दर से लाभांश प्राप्त करना।
- कम्पनी के समापन के समय कम्पनी के लेनदारों का भुगतान करने के बाद पूँजी वापस प्राप्त करने का अधिकार अर्थात् पूर्वाधिकार अंशधारकों को समता अंशधारकों की तुलना में लाभांश तथा पूँजी की वापसी के लिए प्राथमिकता होती है।

What preferential rights a preferential sharesholders gets ?

Ans: Pre-emptive rights are granted to shareholders as follows in the context of business studies at the eleventh-grade level:

1. Obtaining a portion of the company's net profits as dividend before declaring dividends for equity shareholders.

2. The right to receive a refund of capital, or pre-emptive rights, after paying off the company's creditors at the time of the company's liquidation, giving priority to pre-emptive rights shareholders in comparison to ordinary shareholders for profit distribution and capital recovery.

6. अधिविकर्ष क्या है?

उत्तर: बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों को उसके चालू खाते में जमा राशि से अधिक निकालने की अनुमति प्रदान करना अधिविकर्ष की सुविधा कहलाती है।यह सुविधा ज्यादतर व्यवसायियों को दी जाती है।

What is an overdraft?

Ans: Providing permission to withdraw an amount exceeding the credit balance in one's current account by banks is called an overdraft facility. This facility is often extended to business, allowing them to withdraw more funds than they have in their account.

7. दीर्घकालीन वित्त के स्रोत साधारण त्याग कितने वर्षों के लिए होते हैं ?

उत्तर: दीर्घकालीन वित्त के स्रोत साधारण दया 10 वर्ष से लेकर 25 वर्ष तक के लिए होते हैं।

For how many years are long-term sources of finance usually are ?

Ans: Long-term sources of finance are generally available for a period ranging from 10 years to 25 years.

8. मध्यकालीन वित्त के स्रोत कितने वर्षों के लिए होते हैं?

उत्तर: मध्यकालीन वित्त के स्रोत सामान्यतः 2 वर्ष से 5 वर्ष तक के लिए होते हैं।

For how many years are the sources of medium term finance usually available?

Ans: Medium Term sources of finance are typically available for a period ranging from 2 to 5 years.

9. किसी कंपनी में मालिकों द्वारा दिए जाने वाली पूंजी सामान्यतः क्या कहलाती हैं?

उत्तर: किसी कंपनी में मालिकों द्वारा दी जाने वाली पूंजी समता अंश पूंजी कहलाती है।

What is typically referred to as the capital contributed by the owners in a company?

Ans: The capital contributed by the owners in a company is commonly known as equity Share capital

10. अल्पकालीन वित्त के स्रोत कितनी अवधि के होते हैं?

उत्तर: अल्पकालीन वित्त के स्रोत साधारणता या 1 वर्ष से काम की अवधि के होते हैं।

What is the duration of short-term sources of finance?

Ans: Short-term sources of finance typically have a short duration, usually less than one year

लघु उत्तरीय प्रश्न
(Short Answer Questions)

1. कोष जुटाने के आन्तरिक एवं बाह्य स्त्रोतों में क्या अन्तर है? समझाइये।

उत्तर: कोष जुटाने के आन्तरिक एवं बाह्य स्रोत में अन्तर निम्न है -

- कोष के आन्तरिक स्रोत वे स्रोत होते हैं जिनका निर्माण एवम संचय व्यवसाय के भीतर से ही होता है, जबकि बाह्य स्रोत वे स्रोत होते हैं जो व्यवसाय के बाहर के होते हैं।
- आन्तरिक स्रोत से व्यवसाय की सीमित आवश्यकताओं की ही पूर्ति कर सकते हैं, जबकि बाह्य स्रोतों से व्यवसाय को बड़ी मात्रा में वित्तीय आवश्यकताओं की पूर्ति होती है।
- एक व्यवसाय प्राप्त बिलों की वसूली की रफ्तार बढ़ाने के साथ-साथ स्टॉक को बेचने एवं अपने लाभों के पुनः विनियोग द्वारा आन्तरिक कोष पैदा करता है, जबकि ऋण-पत्रों का निर्गमन, वाणिज्यिक बैंकों एवं वित्तीय संस्थानों से उधार लेना तथा सार्वजनिक जमा स्वीकार करना पूँजी के बाह्य स्रोतों के उदाहरण हैं।
- आन्तरिक स्रोत से वित्त की व्यवस्था व्यवसाय का स्वामी स्वयं करता है, जबकि बाह्य स्रोत से वित्त की व्यवस्था व्यवसाय के स्वामियों की मर्जी से स्वतंत्र होकर प्रबंधन अपनी इच्छा से भी करता है।
- आन्तरिक स्रोत से पूँजी जुटाना कम खर्चीला होता है, जबकि बाहरी स्रोत से पूँजी जुटाना अधिक खर्चीला होता है।

What is the difference between internal and external sources of funds? Explain.

Ans: The difference between internal and external sources of funds is as follows:

- Internal sources of funds are those sources where the creation and accumulation of funds happens within the business itself. On the other hand, external sources of funds are those sources that generates from outside the business.
- Internal sources can fulfill the limited needs of a business, while external sources provide funds for significant financial requirements.
- A business generates internal funds through activities such as accelerating the collection of receivables, selling stocks, and reinvesting profits. External sources, on the other hand, include borrowing from financial institutions, commercial banks, and accepting public deposits.
- Managing finances through internal sources allows a business to retain control, while external sources provide independence in financial management but often come with higher costs.
- In summary, internal sources are cost-effective for raising capital, whereas external sources involve higher expenses.

2. किन्हीं तीन विशिष्ट वित्तीय संस्थानों के नाम दीजिए एवं उनके उद्देश्य भी बतलाइये।

उत्तर: विशिष्ट वित्तीय संस्थान-

1. भारतीय औद्योगिक साख एवं विनियोग निगम (ICICI)-आई. सी. आई. सी. आई. 1955 में कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत एक कम्पनी के रूप में स्थापित हुई थी। इसके प्रमुख उद्देश्य -

- निजी क्षेत्र में औद्योगिक संस्थाओं के निर्माण, विस्तार एवं आधुनिकीकरण में सहायता करना।
- देश के अन्दर विदेशी पूँजी के निवेश को प्रोत्साहित करना।
- औद्यगिक विनियोग एवं विनियोग बाजार के विस्तार में निजी स्वामित्व को बढ़ावा देना।

2. भारतीय औद्योगिक वित्त निगम (IFCI) -आई.एफ.सी. आई. की स्थापना औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 के अन्तर्गत जुलाई, 1948 में एक संवैधानिक

निगम के रूप में हुई थी। इसके मुख्य उद्देश्य -

- संतुलित क्षेत्रीय विकास में सहायता प्रदान करना।
- अर्थव्यवस्था के प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रों में नये उद्यमियों के प्रवेश को प्रोत्साहन देना।
- बड़ी औद्योगिक इकाइयों को दीर्घकालीन एवं मध्यकालीन वित्त प्रदान करना।

3. भारतीय औद्योगिक विकास बैंक (IDBI)- आई.डी. बी.आई. की स्थापना औद्योगिक विकास बैंक अधिनियम 1964 के अन्तर्गत की गई थी। इसके मुख्य उद्देश्य -

- वाणिज्यिक बैंकों सहित अन्य वित्तीय संस्थानों की गतिविधियों में समन्वय बनाना ।
- अन्य वित्तीय संस्थाओं का निरीक्षण एवं नियन्त्रण करना तथा उन्हें सही दिशा में प्रेरित करना।
- देश के औद्योगिक विकास में कमियों का पता लगाना और उन्हें दूर करना।
- औद्योगिक प्रगति का विस्तार करना तथा प्राथमिक उद्योगों के विकास को प्रोत्साहित करना।

Please provide the names of three specific financial institutions and their objectives.

Ans: Specialized Financial Institutions -

1. Industrial Credit and Investment Corporation of India (ICICI) - ICICI was established as a company under the Companies Act in 1955. Its main objectives are:

- Assisting in the establishment, expansion, and modernization of industrial organizations in the private sector.
- Encouraging foreign capital investment within the country.
- Promoting private ownership in industrial and financial markets.

2. Industrial Finance Corporation of India (IFCI) - IFCI was established as a statutory corporation in July 1948 under the Industrial Finance Corporation Act, 1948. Its primary objectives are:

- Providing assistance for balanced regional development.
- Encouraging the entry of new entrepreneurs in priority sectors of the economy.
- Providing long-term and medium-term finance to large industrial units.

3. Industrial Development Bank of India (IDBI) - IDBI was established under the Industrial Development Bank of India Act, 1964. Its key objectives include:

- Coordinating the activities of commercial banks and other financial institutions.
- Regulating and controlling other financial institutions and guiding them in the right direction.
- Identifying and removing deficiencies in the industrial progress of the country.
- Expanding industrial development and promoting the growth of priority industries.

3. GDR और ADR में क्या अंतर होता है? इसको समझाते हैं।

उत्तर: 1. GDR (Global Depository Receipt) एक ऐसा प्रमाणपत्र होता है जिसको किसी भारतीय कंपनी द्वारा जारी किया जाता है, जिससे विदेशी मुद्रा में धन एकत्रित किया जाता है। वहीं, ADR (American Depository Receipt) केवल अमेरिकी नागरिकों के लिए जारी किए जाते हैं।

2. GDR के शेयरों को किसी भी विदेशी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया जा सकता है और वहां पर खरीद बिक्री हो सकती है, जबकि ADR के शेयरों को केवल अमेरिकी स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध किया जा सकता है और वहां पर ही खरीद बिक्री की जाती है।

3. GDR में कंपनी अपने स्थानीय करेंसी के शेयरों को जमा बैंक को सौंपती है और जमा बैंक उनके बदले में जमा रसीद जारी करता है। इन जमा रसीदों को अमेरिकी डॉलर में अंकित करने पर उन्हें GDR कहा जाता है, जबकि अमेरिका में किसी कंपनी द्वारा जमा रसीद को ADR कहा जाता है।

Differentiate between ADR and GDR

Ans: GDR and ADR: Understanding the Difference -

1. GDR (Global Depository Receipt) is a certificate issued by an Indian company to gather funds in foreign currency. In contrast, ADR (American Depository Receipt) is issued exclusively for American citizens.

2. Shares represented by GDRs can be listed and traded on any foreign stock exchange, while ADRs are listed and traded only on American stock exchanges.

3. In the case of GDRs, the company deposits its local currency shares with a depository bank, which issues deposit receipts in exchange. When these deposit receipts are denominated in U.S. dollars, they are known as GDRs. Conversely, in the United States, a company's deposit receipt is referred to as an ADR.

4. वाणिज्यिक प्रपत्र किसे कहते हैं? इसके लाभ बताएं?

उत्तर: वाणिज्यिक प्रपत्र/पत्र

वाणिज्यिक पत्र किसी व्यावसायिक फर्म द्वारा अल्प अवधि के लिए कोष जुटाने के लिए एक गैर-जमानती प्रतिज्ञा-पत्र होता है। इसे एक फर्म दूसरी फर्म को, बीमा कम्पनी को, पेंशन कोष एवं बैंकों को जारी करती है क्योंकि यह पूर्णतया असुरक्षित होता है। अतः अच्छी साख वाली फर्मे ही इन पत्रों को जारी कर सकती है। वाणिज्यिक पत्रों की अवधि 7 दिन से 364 दिन तक की हो सकती है। इसका नियमन भारतीय रिजर्व बैंक करता है।

1. बिना किसी जमानत के गैर-जमानती और प्रतिबन्धित शर्तों के वाणिज्यिक पत्र को बेचा जाता है। इसमें किसी प्रकार की प्रतिबन्धित शर्तें नहीं होतीं।

2. यह पत्र अधिक तरल होता है, जिससे इसका हस्तांतरण आसान होता है।

3. इसके माध्यम से अधिक कोष जुटाए जा सकते हैं, जो किसी अन्य स्रोत की तुलना में होता है।

4. वाणिज्यिक पत्र जारी करने की लागत वाणिज्यिक बैंकों से ऋण लेने की लागत से कम होती है।

5. वाणिज्यिक पत्र के माध्यम से कोषों की प्राप्ति में कोई बाधा नहीं होती, क्योंकि इसके भुगतान की शर्तें जारीकर्ता फर्म की आवश्यकताओं के अनुसार ढाली जा सकती हैं। इसके अलावा, परिपक्व वाणिज्यिक पत्र का भुगतान नए वाणिज्यिक पत्र को बेचकर किया जा सकता है।

6. यह कंपनियों को अधिक कोष जुटाने और अच्छे प्रतिफल प्राप्त करने में मदद कर सकता है

What are commercial papers, and what are their benefits?

Ans: Commercial papers:

Commercial papers are non-convertible promissory notes issued by a corporate firm for short-term fund-raising purposes. They are typically issued by one firm to another firm, insurance companies, pension funds, and banks because they are entirely unsecured. Hence, only firms with a good credit rating can issue these papers. The maturity period for commercial papers can range from 7 days to 364 days, regulated by the Reserve Bank of India.

Commercial papers are issued without any collateral or restrictive conditions, making them easy to sell. They are highly liquid, facilitating easy transfer.

Benefits of commercial papers include the ability to raise substantial funds, which can be more than other sources. The cost of issuing commercial papers is lower compared to borrowing from commercial banks.

Commercial papers offer flexibility in repayment terms, as the issuer can tailor them to suit their business needs. Furthermore, mature commercial papers can be repaid by selling new ones.

In summary, commercial papers can help companies raise significant funds and achieve better returns.

5. सार्वजनिक जमा क्या है?इसके गुणों को बताएं।

उत्तर: कंपनियों द्वारा सीधे जनता से जुटाई गई धनराशि को सार्वजनिक जमा कहते हैं। सार्वजनिक जमा पर दी जाने वाली ब्याज दरें बैंक द्वारा दी जाने वाली दरों से अधिक होती है, लेकिन सार्वजनिक जमा में जोखिम अधिक होता है।

सार्वजनिक जमा के गुण-

- सरल प्रक्रिया-जमा प्राप्ति की प्रक्रिया सरल है एवं किसी प्रकार की प्रतिबन्धन करने वाली शर्तें नहीं होती जैसी कि साधारणतः ऋण अनुबन्धों में होती हैं।
- कम लागत-सार्वजनिक जमा पर किया गया व्यय बैंक एवं वित्तीय संस्थाओं से प्राप्त किये जाने वाले ऋणों की लागत से कम होता है।
- कम्पनियों की परिसम्पत्तियों पर प्रभार नहीं-सार्वजनिक जमा आमतौर पर कम्पनी की परिसम्पत्तियों पर प्रभार नहीं होते। कम्पनियों द्वारा परिसम्पत्तियों को अन्य स्त्रोतों से ऋण जुटाने के लिए जमानत के तौर पर उपयोग में लाया जा सकता है।
- कम्पनी का नियन्त्रण प्रभावित नहीं-सार्वजनिक जमा के जमाकर्ताओं के पास मत देने का अधिकार नहीं होता है। इसलिए कम्पनी पर नियन्त्रण प्रभावित नहीं होता है।

Public deposit, what is it, and what are its characteristics?

Ans: Public deposits refers to funds directly collected from the public. The interest rates offered on public deposits are higher than those offered by banks, but public deposits come with higher risk.

Characteristics of public deposits:

1. Simple Process: The process of receiving public deposits is straightforward and typically does not involve restrictive conditions, unlike regular loans.

2. Lower Costs: Public deposits usually have lower costs compared to borrowing from banks and financial institutions.

3. No Impact on Company Assets: Public deposits generally do not put a lien on a company's assets. Companies can use their assets as collateral for other sources of funds.

4. No Influence on Company Control: Depositors of public funds do not have the right to influence the company, so the company's control remains unaffected.

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न
(Long Answer Type Questions)

1. व्यापारिक साख और बैंक साख को अल्प अवधि वित्त के स्रोत के रूप में समझाएं।

उत्तर: **(I) व्यापारिक साख -** यह व्यापारियों के बीच क्रय के लिए उधार सुविधा का एक रूप है, जिसमें एक व्यापारी दूसरे व्यापारी से माल खरीद सकता है, बिना तुरंत

भुगतान किए। यह कोषों का सतत और सुविधाजनक स्रोत है और खातों में लेनदार या देय राशि के रूप में दिखाई जाती है। यह वित्तीय स्थिति मजबूत और प्रतिष्ठित ग्राहकों के लिए होती है, और इसकी शर्तें व्यक्तिगत और व्यवसायों के अनुसार विभिन्न होती हैं।

लाभ:

1. कोषों का सतत और सुविधाजनक स्रोत होता है.
2. ग्राहक की वित्तीय स्थिति के आधार पर इसका तुरंत उपलब्ध होना संभव है.
3. संस्था की बिक्री को तुरंत प्रभाव से बढ़ाता है.
4. कोष की व्यवस्था से इसका सम्पत्तियों पर कोई भार नहीं होता.
5. बिक्री में वृद्धि के लिए स्टॉक के स्तर को बढ़ाने के लिए उपयोग किया जा सकता है.

(II) बैंक साख - व्यावसायिक बैंक अल्प अवधि में व्यावसायिक संस्थाओं को विभिन्न तरीकों से ऋण प्रदान करते हैं, जैसे नकद साख, अधिविकर्ष, विपत्रों का क्रय/भुनाना, और साख पत्र जारी करना। बैंक साख कोषों का अल्प अवधि स्त्रोत होता है।

लाभ:

1. व्यावसाय में जब भी धन की आवश्यकता होती है, तो बैंक धन उपलब्ध करवाकर सहायता करते हैं.
2. यह व्यावसायिक संस्थाओं के लिए आसान है और विवरण-पत्र की आवश्यकता नहीं होती.
3. व्यवसाय की आवश्यकतानुसार ऋण की राशि को बढ़ाया या घटाया जा सकता है.
4. इसका ऋण समय से पूर्व लौटाया जा सकता है.

सीमाएँ:

- बैंक साख अल्प अवधि के लिए ही उपलब्ध होते हैं.

- बैंक से धन प्राप्त करने की प्रक्रिया कुछ जटिल होती है.

- कुछ मामलों में बैंक ऋण की स्वीकृति के लिए कठिन शर्तें लगा सकती हैं, जैसे बंधक रखे गए माल की बिक्री पर रोक लगाना।

Explain trade credit and bank credit as short-term sources of finance.

Ans: (I) Trade Credit - Trade credit is a form of credit facility among businesses, where one business can purchase goods from another business without immediate payment. It is a continuous and convenient source of funds, reflected as accounts payable or accounts receivable. It is suitable for businesses with strong financial positions, and its terms vary based on individual business agreements.

Advantages:

1. It is a continuous and convenient source of funds.
2. It can be readily available based on the financial condition of the customer.
3. It boosts the organization's sales immediately.
4. There is no burden on assets due to the management of this finance.
5. It can be used to increase stock levels for sales growth.

(II) Bank Credit - Commercial banks provide various forms of short-term financing to businesses, such as cash credit, overdraft, purchasing and discounting of bills, and issuing of promissory notes. Bank credit is a short-term source of funds for business.

Advantages:

1. Banks provide financial assistance whenever there is a need in the business.
2. It is convenient for business organizations and does not require detailed documentation.
3. The amount of the loan can be increased or decreased according to the business's needs.
4. Loan repayment can be made before the scheduled time.

Limitations:

- Bank credit is available for the short term only.

- The process of obtaining funds from a bank can be somewhat complex.

- In some cases, banks may impose stringent conditions for loan approval, such as placing restrictions on the sale of encumbered assets.

2. आधुनिकीकरण एवं विस्तार के वित्तीयन हेतु एक बड़ी औद्योगिक इकाई किन स्रोतों से पूँजी जुटा सकती है? उन पर चर्चा कीजिए।

उत्तर: आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए वित्त स्रोत

एक बड़ी औद्योगिक इकाई वित्त प्राप्त करने के लिए कई स्रोतों का सहायक ले सकती है. यहां कुछ मुख्य स्रोतों की चर्चा की गई है:

1. अंशों का निर्गमन: यह एक उपयुक्त स्रोत हो सकता है जब कोई कंपनी अपने स्टॉक को बेचकर धन जुटाती है. उदाहरण के लिए, एक फ़ोन कंपनी नए मॉडल की शुरुआती श्रृंखला को लॉन्च करने के लिए अपने पिछले मॉडल के स्टॉक को बेच सकती है.
2. ऋण-पत्र: कंपनियाँ बाजार से ऋण-पत्र (बॉन्ड्स) जारी करके पूंजी जुटा सकती हैं. इसमें कंपनी ऋण-पत्र खरीदकर पूंजी जुटाती है और बाद में ब्याज के साथ वापस करती है.
3. सार्वजनिक जमा: कंपनियाँ अपने आधुनिकीकरण और विस्तार के लिए बैंकों में पैसा जमा कर

सकती हैं. इससे उन्हें ब्याज प्राप्त होता है और वे इस पैसे का उपयोग अपने परियोजनाओं के लिए कर सकती हैं.

4. संस्थागत वित्त: सरकार विशेष संस्थाएं स्थापित करती है, जैसे औद्योगिक वित्त निगम, जो कंपनियों को वित्त प्रदान कर सकती है. उदाहरण के रूप में, एक खाद्य उत्पाद कंपनी करीबी औद्योगिक विकास निगम से वित्त प्राप्त करके अपना उत्पादन विस्तार कर सकती है.

5. बैंक से ऋण: कंपनियाँ अपने आधुनिकीकरण के लिए बैंक से विभिन्न प्रकार के ऋण प्राप्त कर सकती हैं. उदाहरण के लिए, एक निर्माण कंपनी नए प्लांट या मशीनरी के लिए बैंक से व्यापारिक ऋण ले सकती है.

इन स्रोतों का सहायक लेने से कंपनियाँ अपने आधुनिकीकरण और विस्तार की योजनाओं को साकार कर सकती हैं, जिससे उनकी वित्तीय स्थिति में सुधार हो सकता है।

For the financial needs of modernization and expansion, what sources of funds can a large industrial unit avail? Discuss them.

Ans: A large industrial unit can seek assistance from various sources of funds for modernization and expansion. Here's a discussion on some key sources:

1. Issuance of Shares: This can be a viable source where a company raises capital by selling its stocks. For example, a phone company can sell its previous model's stock to gather funds for launching a new series.

2. Bonds: Companies can raise funds by issuing bonds in the market. In this, the company purchases bonds and later redeems them with interest.

3. Public Deposits: Companies can deposit money in banks for modernization and expansion. This earns them interest, which they can use for their projects.

4. Institutional Finance: Governments establish special institutions like Industrial Finance Corporations, which can provide financial assistance to companies. For instance, a food production company can obtain finance from a nearby Industrial Development Corporation to expand its production.

5. Bank Loans: Companies can avail various types of loans from banks for their modernization. For example, a construction company can take a commercial loan from a bank to acquire new machinery or expand its facilities.

Utilizing these sources, companies can realize their modernization and expansion plans, improving their financial position.

3. डिबेंचर और समता अंशों के निर्गमन में क्या फर्क है?

उत्तर: जब कोई कंपनी या संस्था वित्त जुटाने के लिए पूंजी की तलाश में होती है, तो वह डिबेंचर और समता अंशों के निर्गमन के बीच विचार करती है। निर्णय लेने में निम्न बिंदुओ पर विचार किया जाता है -

- **कम खर्चीला-** समता पूँजी व पूर्वाधिकार अंशों की तुलना में डिबेंचरों के माध्यम से वित्तीयन कम खर्चीला होता है क्योंकि डिबेंचरों पर जो ब्याज दिया जाता है, वह कर निर्धारण के लिए आय में से घटाया जाता है।
- **पूर्व डिबेंचर धारकों पर कोई प्रभाव नहीं-** अतिरिक्त डिबेंचरों का निर्गमन करने से वर्तमान डिबेंचर धारकों पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- **निवेशकों की पहली पसन्द-** समता अंशों के निर्गमनों की तुलना में डिबेंचरों का निर्गमन कर पूँजी प्राप्त करना कम जोखिमपूर्ण माना जाता है। स्थिर आय प्राप्त करने के लिए डिबेंचर निवेशकों की पहली पसन्द मानी जाती है।
- **स्थिर प्रभाव कोष एवं लाभ में भागीदारी नहीं-** समता अंशों के स्थान पर डिबेंचर स्थिर प्रभाव कोष होते हैं एवं यह कम्पनी के लाभ में भी भागीदार नहीं होते हैं। इन्हें तो केवल निश्चित दर से ब्याज ही प्राप्त होता है।
- **बिक्री एवं आय स्थिर-** डिबेंचरों का निर्गमन उस स्थिति में अधिक उपयुक्त रहता है जब बिक्री एवं आय स्थिर होती है।
- **प्रबन्ध पर नियन्त्रण नहीं-** जब व्यावसायिक कम्पनी द्वारा ऋण-पत्रों का निर्गमन किया जाता है तो ऋण-पत्र धारकों को मताधिकार नहीं प्राप्त होता है। इसलिए इनके माध्यम से वित्तीयन के समता अंशधारकों का कम्पनी के प्रबन्ध पर नियन्त्रण कम नहीं होता है।
- **निवेशकों की जोखिम कम -**डिबेंचरों में धन विनियोजित करने से उनके धारकों की जोखिम पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। अर्थात् उनकी जोखिम कम होती है क्योंकि इन्हें तो नियमित रूप से ब्याज प्राप्त होता रहता है।
- **निवेशकों का प्रतिफल निश्चित-** डिबेंचर धारकों का प्रतिफल निश्चित होता है, उसमें कमी नहीं होती है।

What is the difference between debentures and preference shares in fundraising? Explain.

Ans: When a company or organization seeks funds, it considers debentures and preference shares for issuance. Decision-making involves the following points:

- **Lower Cost -** Debentures, compared to preference shares, result in lower financial costs because the interest paid on debentures is deducted from taxable

income.

- **No Impact on Existing Debenture Holders -** Issuing additional debentures does not affect existing debenture holders.
- **Investor Preference -** Issuing debentures is considered less risky for investors seeking stable income. They often prefer debentures for generating a steady return on investment.
- **No Equity Ownership** - Debentures represent fixed-interest securities and do not confer ownership rights or participation in company profits.
- **Suitable for Sales and Income Stability -** Debentures are more suitable when a company has stable sales and income.
- **Limited Control on Management -** When a business issues debentures, debenture holders do not have significant control over the management of the company.
- **Lower Risk for Investors -** Debentures are less risky for investors because they receive a regular interest payment.
- **Fixed Returns -** Debenture holders receive fixed returns, ensuring predictability.

In summary, debentures are preferred for their lower cost, stable returns, and reduced risk, making them suitable for investors seeking fixed income.